बिहार का आधुनिक इतिहास भाग-2

स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:

- **मजहर-उल-हक** ने हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रचार करने के लिए **सितंबर, 1921** में **'मदरलैंड'** समाचार पत्र की शुरुआत की।
- **असहयोग आंदोलन-** गांधी जी ने दिसंबर, 1920 में शराब की दुकानों की बंदी के लिए धरने का नेतृत्व किया।
- **जे.पी. नारायण** ने आंदोलन में भाग लेने के लिए परीक्षा से पहले पटना कॉलेज को छोड़ दिया।
- **अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन दिसंबर, 1922,** गया- **चितरंजन दास** की अध्यक्षता में हुआ। इसमें कांग्रेस के संघर्ष में दो गुटों को देखा गया।
- **समर्थक परिवर्तक-** सी.आर. दास, मोती लाल नेहरू, विठ्ठलभाई पटेल और अजमल खान।
- **गैर-परिवर्तक-** वल्लभ भाई पटेल, सी. राजगोपालाचारी और एम.ए अंसारी।
- समर्थक परिवर्तकों ने **नारायण प्रसाद** की अध्यक्षता में और **अब्दुल बारी** के सचिव के रूप में **स्वराज दल** की स्थापना की।
- **श्रीकृष्ण सिंह** के नेतृत्व में **स्वराज दल की एक शाखा** बिहार में वर्ष 1923 में स्थापित की गई। हालांकि यह बिहार में बहुत प्रभावी नहीं था।
- साइमन कमीशन के बहिष्कार का नेतृत्व **अनुग्रह नारायण सिन्हा** द्वारा किया गया।
- **छपरा जेल हड़ताल-** राजेंद्र प्रसाद और अब्दुल बरी पर किए गए लाठी चार्ज के विरोध स्वरूप।
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन**- किसानों ने चौकीदारी कर का भुगतान करने से मना कर दिया।
- घटना आयोजन के लिए पटना में **स्वदेशी समिति** की स्थापना की गई।
- **सच्चिदानंद सिन्हा, हसन ईमान, चंद्रवती देवी, रामसुंदर सिंह**।
- **बिहपुर सत्याग्रह** उसी समय के दौरान किया गया था।
- **बिहार सोशलिस्ट पार्टी** की स्थापना वर्ष 1931 में **गंगा शरण सिन्हा, रामवृक्ष बेनीपुरी** और **रामानंद मिश्रा** ने की।
- वर्ष 1934 में **जे. पी. नारायण,** महासचिव के रूप में और **आचार्य नारायण देव,** अध्यक्ष के रूप में, इनके द्वारा **बिहार कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी** की स्थापना की गई।
- भारत सरकार अधिनियम, 1935 के बाद वर्ष **1937 में आम चुनाव** में कुछ प्रांतों को स्वायत्तता प्रदान की गई, कांग्रेस ने विधान सभा और विधान परिषद दोनों में बहुमत प्राप्त किया, लेकिन सरकार बनाने से इनकार कर दिया।
- बाद में **मुहम्मद यूनुस**, अल्पमत सरकार के बिहार के पहले प्रधानमंत्री बने।

- 3 महीने बाद **20 जुलाई, 1937** को, **श्री कृष्ण सिंह** प्रमुख बने और मंत्रिमंडल का गठन किया।
- **रामदयालु सिंह** विधान परिषद के प्रथम अध्यक्ष बने।
- **अब्दुल बरी** को विधान परिषद के प्रथम उप-सभापति के रूप में चुना गया।
- **बिहार लगान संशोधन अधिनियम** ने **कश्तकरी बंदोबस्त** की समस्याओं को हटा दिया।
- **शील भद्र याजी, ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक** की स्थापना के लिए सुभाष चंद्र बोस के साथ जुड़ गए और **आई.एन.ए** में सम्मलित हो गए।
- **भारत छोड़ो आंदोलन-** विधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था।

किसान आंदोलन:

- **वर्ष 1922** में **मोहम्मद जुबेर** और **श्रीकृष्ण सिंह** द्वारा **किसान सभा** आयोजित की गई।
- जमींदारी हमलों के विरुद्ध **बिहार प्रांतीय किसान सभा** का गठन **स्वामी सहजानंद सरस्वती** द्वारा **1929** में किया गया।
- जमींदारों ने भी किसानों को दबाने के लिए **संयुक्त राजनीतिक दल** का गठन किया।
- **बिहार किसान सभा** का गठन वर्ष 1933 में किया गया था।
- वर्ष 1936 में, जब **लखनऊ** में **अखिल भारतीय किसान सभा** का गठन हुआ, **स्वामी सहजानंद सस्वती** इसके अध्यक्ष थे।
- किसान आंदोलन, सामंती जमीनदारी प्रथा को उखाड़ फेंकने के उद्देश्य से स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। इसका नेतृत्व **स्वामी सहजानंद सरस्वती** ने किया।
- **वर्ष 1940** में **पंडित यमुना कारर्जी** और **राहुल सांकृत्यायन** द्वारा बिहार में किसान आंदोलन का हिंदी साप्ताहिक – **हुंकार** जारी किया गया।

जनजातीय आंदोलन:

विद्रोह	नेता	अवधि	क्षेत्र
हो और मुंडा	राजा परहट	1820	छोटा नागपुर
कोल	बुद्धू भगत	1831	छोटा नागपुर
भूमिज	गंगा नारायण	1832	सिंहभूम और बीरभूम
संथाल	सिद्धू और कान्हू	1855	राजमहल हिल्स
मुंडा	बिरसा मुंडा	1899	छोटा नागपुर

ताना भगत	जत्रा भगत	1914	छोटा नागपुर

- विद्रोह मुख्य रूप से अंग्रेजों द्वारा भूमि पर कब्जा करने या उनकी राजस्व नीति या बाहरी लोगों द्वारा आधिपत्य करने या वन अधिकारों के विरोध में था। वे स्थानीय, असंगठित और बहुत ही हिंसक थे।
- **संथल परगने** की स्थापना अंग्रेजों द्वारा संथल विद्रोह को शांत करने के लिए की गई थी। कान्हू को वर्ष 1866 में गिरफ्तार किया गया था।
- **मुंडा विद्रोह- वन विनियमन अधिनियम 1865** ने ब्रिटिश सरकार को किसी भी वन भूमि को सरकारी वन के रूप में घोषित करने और इसके लिए नियम बनाने का अधिकार दिया। बिरसा मुंडा के तहत, यह कृषि और राजनीतिक नीति के साथ एक सामाजिक-धार्मिक आंदोलन **(उलगुलन)** था। बिरसा को **3 मार्च, 1900** में पकड़ लिया गया था।
- **ताना भगत आंदोलन-** मुख्य रूप से धार्मिक आंदोलन था जिसमें हिंदू प्रथाओं को अपनाया गया।

स्वतंत्रता के बाद:

- भारत के पहले राष्ट्रपति **डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद** बिहार से थे।
- बिहार के पहले राज्यपाल- **जयरामदास दौलतराम**
- बिहार के पहले मुख्य मंत्री- **डॉक्टर कृष्ण सिंह**
- 15 नवंबर, 2000 में, आधुनिक झारखण्ड राज्य दक्षिणी बिहार से अलग हुआ था।

Most Important Study Notes

67th BPSC/CDPO Bihar Special: Geography Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Polity Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Environment & Ecology Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Art and Culture Preparation Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: CSAT Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: History Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)

67th BPSC/CDPO Bihar Special: Economy Preparation Tips, Strategy and Study Material (Free PDF)
67th BPSC/CDPO Bihar Special: Monthly Current Affairs Magazine (Free PDF)
Surprise 🥳🎁 | 67th BPSC/CDPO सुदर्शन चक्र : Complete Study Material Package Free PDFs
Improve Your Writing Skill Via Joining: Weekly Writing Competition
One-liners: Get Complete Highlights of the Day

byjusexamprep.com